परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-5, मुंबई

शैक्षणिक सत्र : 2025-26

कक्षा : दसवीं **विषय : हिन्दी** (द्वितीय भाषा)

अभ्यासपत्रक क्र. 2

पाठ का नाम : पाठ 2. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

प्र.1 निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए | (1x5=5)

देखि कुठारू सरासर बाना | मैं कछु कहा सहित अभिमाना ||
भृगुसुत समुझि जनेऊ बिलोकी | जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ||
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई | हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ||
बधें पापु अपकीरति हारें | मारतहू पा परिअ तुम्हारें ||
कोटि कुलिस सम वचनु तुम्हारा | व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ||

(1) लक्ष्मण ने परशुराम से किस प्रकार बात की ?

(क) नम्रतापूर्वक
(ख) क्रोधित होकर
(ग) अभिमानपूर्वक
(घ) शांत रहकर

(2) परशुराम के क्रोधपूर्ण वचनों को सुनकर भी लक्ष्मण अपना क्रोध रोके हुए थे, क्योंकि -

(क) श्रीराम ने उन्हें क्रोध करने से रोक था |
(ख) परशुराम जी भृगुपुत्र थे और उन्होंने जनेऊ धारण किया था |
(ग) लक्ष्मण किसी से नहीं लड़ते थे |
(घ) वे परशुराम से डरते थे |

(3) लक्ष्मण ने अपने कुल की किस परंपरा का बोध कराया ?

(क) उनके कुल में सभी वीर, बहादुर और शक्तिशाली हैं |
(ख) उनके कुल में बड़ों का सम्मान किया जाता है |
(ग) उनके कुल में सभी पूजनीय हैं |
(घ) उनके कुल में देवता, ब्राह्मण, ईश-भक्त तथा गाय पर शूरवीरता दिखाने का निषेध है |

(4) लक्ष्मण के अनुसार परशुराम द्वारा धनुष तथा कुठारू धारण करना व्यर्थ क्यों है ?

(क) वे केवल सबको डराते हैं |
(ख) उनकी वाणी करोड़ों वज्रों के समान कठोर है |
(ग) वे उनका प्रयोग कभी नहीं करते हैं |
(घ) उन्हें धनुष तथा कुठारु का प्रयोग नहीं आता |

(5) लक्ष्मण परशुराम से व्यंग्यपूर्ण शैली में संवाद क्यों कर रहे थे ?

(क) वे उन्हें डराना चाहते हैं |

(ख) वे उन्हें अपनी वीरता दिखाना चाहते हैं |

(ग) वे उन्हें उनके बड़बोलेपन का एहसास करवाना चाहते हैं |

(घ) वे उन्हें अपनी वाक्-पटुता दिखाना चाहते थे |

प्र.2 कविता के आधार पर निम्न बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए | (1x5=5)

(1) अपने आप को बहुत बड़ा योद्धा कौन समझता है ?

(क) श्रीराम (ग) विश्वामित्र

(ख) लक्ष्मण (घ) परशुराम

(2) इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं - इसका क्या आशय है ?

(क) यहाँ कोई सबल नहीं है | (ग) यहाँ कोई दुर्बल नहीं है |

(ख) यहाँ कोई छोटा-सा फल नहीं है | (घ) यहाँ कोई कुम्हार नहीं है |

(3) लक्ष्मण के अभिमान का क्या कारण था ?

(क) परशुराम द्वारा क्रोध करना (ग) परशुराम द्वारा कुम्हड़बतिया कहना

(ख) परशुराम द्वारा कड़वे वचन कहना (घ) परशुराम द्वारा फरसा और धनुष-बाण दिखाना

(4) सहस्रबाहु का क्या अर्थ है ?

(क) सौ भुजाओं वाला (ग) लाख भुजाओं वाला

(ख) हज़ार भुजाओं वाला (घ) साथ भुजाओं वाला

(5) परशुराम जी ने आत्म-परिचय में क्या कहा ?

(क) वे गृहस्थ, क्रोधी और परोपकारी हैं | (ग) वे मुनि, वीर और क्रोधी हैं |

(ख) वे शांत, फरसाधारी और क्षमाशील हैं | (घ) वे बाल ब्राह्मचारी,क्रोधी और ब्राह्मणों के पक्षधर हैं |

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए | (2x5=10)

(क) परशुराम के अत्यंत क्रोधित होने का कारण क्या था ?

(ख) लक्ष्मण ने धनुष टूटने के किन कारणों की संभावना व्यक्त करते हुए राम को निर्दोष बताया ?

(ग) सभा में परशुराम जी ने अपने विषय में क्या कहा ?

(घ) परशुराम जी ने अपने फरसे की क्या विशेषताएं बताईं ?

(च) परशुराम द्वारा कुठारू दिखाने पर लक्ष्मण ने क्या व्यंग्योक्तियाँ कहीं ?

प्र.4 निम्न पक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए | (1x3=3)

(क) बालकु बोलि बधौ नहिं तोही |

(ख) तुम्ह तो कालु हाँक जनु लावा |

(ग) भुजबल भूमि भूप बिनु किन्हीं |

प्र.5 रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए | (1x2=2)

(क) सुनहु <u>राम</u> जेहि सिवधनु तोरा | <u>सहसबाहु</u> सम सो रिपु मोरा ||

(ख) नाथ संभुधनु भंजनिहारा | होइहि केउ <u>एक</u> दास <u>तुम्हारा</u> ||

****